## 'भाषा विश्वविद्यालय में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर नुक्कड़ नाटक के आयोजन के सम्बन्ध में रिपोर्ट।'

माननीय राज्यपाल महोदया उत्तर प्रदेश, उ० प्र० सरकार के निर्देशानुसार 14 अगस्त को ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ में 'हर घर तिरंगा अभियान' के अंतर्गत 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' के अवसर पर विधि अध्ययन संकाय द्वारा नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। इस नुक्कड़ नाटक के माध्यम से विधि परास्नातक छात्र अमन कुमार त्रिपाठी के नेतृत्व में विधि संकाय के छात्रों आविष्कार, स्नेहा, तन्मय, हिमांशु, यशस्विनी, रमा, रोहिणी, आमिर, ऐश्वर्य, जुबैर ने अभिनय करते हुए 78 वर्ष पहले 14 अगस्त 1947 की मध्य रात्रि देश के इतिहास में घटित घटना का भावुक कर देने वाला अभिनय वर्णन किया। नुक्कड़ नाटक की टीम ने विभाजन के दौरान अपनी माटी से अलग हुए किरदारों के अभिनय के माध्यम से राष्ट्रीय प्रेम के भाव से राष्ट्रीय एकता और समरसता का संदेश दिया। नुक्कड़ नाटक टीम के समन्वयक सहायक आचार्य अंशुल पांडेय, डॉ प्रशांत वरुण और ज़ैनब इफ्तिख़ार ख़ान रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अजय तनेजा, कुलानुशासक डॉ नीरज शुक्ला विभाग अध्यक्ष विधि संकाय डॉ पीयूष कुमार त्रिवेदी जी डॉ दीक्षा मिश्रा, डॉ कृष्ण मुरारी डॉ श्वेता त्रिवेदी श्री आशीष शाही, तान्या सागर, भानु प्रताप सिंह, रविकेश मौर्य तथा विश्वविद्यालय के अन्य शिक्षकगण व अन्य विद्यार्थी उपस्थित रहे।

**संलग्नकः कार्यक्रम की प्रेस विज्ञप्ति व अन्य छायाचित्र**

| | | |
|---|---|---|
| श्री अंशुल पाण्डेय, सहायक आचार्य<br>कार्यक्रम समन्वयक | डॉ० पीयूष कुमार त्रिवेदी<br>विभागाध्यक्ष | प्रो० मसऊद आलम<br>संकायाध्यक्ष |

श्री अंशुल पाण्डेय, सहायक आचार्य
कार्यक्रम समन्वयक

डॉ० पीयूष कुमार त्रिवेदी
विभागाध्यक्ष

प्रो० मसऊद आलम
संकायाध्यक्ष

# भाषा विश्वविद्यालय में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर नुक्कड़ नाटक का आयोजन

केपीपीएन संवाददाता

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर एक विशेष नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। यह आयोजन विधि अध्ययन संकाय द्वारा ष्हर घर तिरंगाष अभियान के अंतर्गत किया गया, जिसमें विधि संकाय के छात्र–छात्राओं ने विभाजन की त्रासदी को मंच पर जीवंत कर दिया।नुक्कड़ नाटक का नेतृत्व विधि परास्नातक छात्र अमन कुमार त्रिपाठी ने किया, जिसमें आविष्कार, स्नेहा, तन्मय, हिमांशु, यशस्विनी, रमा, रोहिणी, आमिर, ऐश्वर्य और जुबैर जैसे छात्रों ने अपने अभिनय से विभाजन की पीड़ा को दर्शकों तक पहुँचाया। 14 अगस्त 1947 की मध्य रात्रि की ऐतिहासिक घटना, जब देश स्वतंत्रता की ओर बढ़ा लेकिन साथ ही विभाजन की पीड़ा से भी गुजरा, को भावनात्मक और सजीव रूप में प्रस्तुत किया गया।नाटक में उन किरदारों को मंचित किया गया, जिन्हें देश के विभाजन के दौरान अपनी जन्मभूमि से बिछड़ना पड़ा था। कलाकारों ने उनके दर्द, संघर्ष और विस्थापन के अनुभवों को गहराई से प्रस्तुत करते हुए राष्ट्रीय एकता, अखंडता और समरसता का संदेश दिया। यह प्रस्तुति न केवल दर्शकों को भावुक कर गई, बल्कि उन्हें इतिहास की उस विभीषिका से जोड़ने में भी सफल रही, जिसे अक्सर भुला दिया जाता है।नुक्कड़ नाटक की टीम का समन्वय सहायक आचार्य अंशुल पांडेय, डॉ. प्रशांत वरुण और ज़ैनब इफ्तिख़ार ख़ान ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अजय तनेजा, कुलानुशासक डॉ. नीरज शुक्ला, विधि संकाय के विभागाध्यक्ष डॉ. पीयूष कुमार

त्रिवेदी, डॉ. दीक्षा मिश्रा, डॉ अंशुल पांडेय, डॉ. कृष्ण मुरारी, डॉ. श्वेता त्रिवेदी, श्री आशीष शाही, तान्या सागर, भानु प्रताप सिंह, रविकेश मौर्य सहित विश्वविद्यालय के अन्य शिक्षकगण और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।यह आयोजन न केवल एक सांस्कृतिक प्रस्तुति था, बल्कि देश की स्वतंत्रता की कीमत और विभाजन की पीड़ा को याद करने का एक सशक्त माध्यम भी रहा। विश्वविद्यालय ने इस अवसर पर राष्ट्रीय चेतना और ऐतिहासिक स्मृति को जीवित रखने का सफल प्रयास किया

श्री अंशुल पाण्डेय, सहायक आचार्य
कार्यक्रम समन्वयक

डॉ० पीयूष कुमार त्रिवेदी
विभागाध्यक्ष

प्रो० मसऊद आलम
संकायाध्यक्ष

श्री अंशुल पाण्डेय, सहायक आचार्य
कार्यक्रम समन्वयक

डॉ० पीयूष कुमार त्रिवेदी
विभागाध्यक्ष

प्रो० मसऊद आलम
संकायाध्यक्ष

# भाषा विश्वविद्यालय में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर नुक्कड़ नाटक का हुआ आयोजन

बीईपी

आज दिनांक 14 अगस्त को ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ में हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर विधि अध्ययन संकाय द्वारा नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। इस नुक्कड़ नाटक के माध्यम से विधि परास्नातक छात्र अमन कुमार त्रिपाठी के नेतृत्व में विधि संकाय के छात्रों आविष्कार, स्नेहा, तन्मय, हिमांशु, यशस्विनी, रमा, रोहिणी, आमिर, ऐश्वर्य, जुबैर ने अभिनय करते हुए 78 वर्ष पहले 14 अगस्त 1947 की मध्य

रात्रि देश के इतिहास में घटित घटना का भावुक कर देने वाला अभिनय वर्णन किया। नुक्कड़ नाटक की टीम ने विभाजन के दौरान अपनी माटी से अलग हुए किरदारों के अभिनय के माध्यम से राष्ट्रीय प्रेम के भाव से राष्ट्रीय एकता और समरसता का संदेश दिया। नुक्कड़ नाटक टीम के समन्वयक सहायक आचार्य अंशुल पांडेय, डॉ प्रशांत वरुण और जैनब इफ्तिखार खान रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अजय तनेजा, कुलानुशासक डॉ नीरज शुक्ला विभाग अध्यक्ष विधि संकाय डॉ पीयूष कुमार त्रिवेदी जी डॉ दीक्षा मिश्रा, डॉ कृष्ण मुरारी डॉ श्वेता त्रिवेदी श्री आशीष शाही , तान्या सागर , भानु प्रताप सिंह , रविकेश मौर्य तथा विश्वविद्यालय के अन्य शिक्षकगण व अन्य विद्यार्थी उपस्थित रहे।

श्री अंशुल पाण्डेय, सहायक आचार्य
कार्यक्रम समन्वयक

डॉ० पीयूष कुमार त्रिवेदी
विभागाध्यक्ष

प्रो० मसऊद आलम
संकायाध्यक्ष